Production of Dhotis and Sarees

8909. Shri R. Barua: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether in the light of Mehta Committee's report any step has been taken to peg the production of dhoties and sarees by cotton mills;

(b) if so, what impact it will create on the handloom and powerloom production; and

(c) whether this pegging is likely to affect any cotton textile mill, if so in what manner?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir. The production of these varieties by mills has been pegged at the level of their production in 1963 by issue of a notification by the Textile Commissioner.

(b) The recommendation is mainly aimed at affording protection to the decentralised sector. Any additional demand for dhotis and sarees will be met entirely by that sector.

(c) Some mills which are mainly producing sarees and dhotis are affected and the representations from these mills are under examination.

पश्चिम रेलवे बम्बई में रेलवे स्कूलों के अध्यापकों का चयन

8910. **श्री मोठालाल मीना :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पश्चिम रेलवे पर 170—380 रुपये के वेतन मान में स्कूल अध्यापकों के चयन के लिये चर्चगेट, बम्बई में 3 और 9 अगस्त, 1967 को लिखित इण्टरव्यू हुआ था;

(ख) क्या यह सच है कि इण्टरव्यू में जिन अभ्यर्थियों ने प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दिये थे, उन्हें शून्य अंक मिले थे जिसके परिणामस्वरूप वे असफल हो गये और जिन अभ्यर्थियों ने अंग्रेजी में उत्तर दिये, वे सफल हो गये;

(ग) क्या यह भी सच है कि ऐसे सभी इण्टरव्यूओं में अंग्रेजी में उत्तर देने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी गई;

(घ) जिन अभ्यर्थियों ने इस प्रकार हिन्दी में उत्तर दिये, उन्हें असफल घोषित करने के क्या कारण हैं; और

(ङ) जिन अभ्यर्थियों ने हिन्दी में उत्तर दिये उनके नाम क्या हैं और उन्हें कितने अंक मिले ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ङ) जैसा कि प्रश्न में कहा गया है, एक लिखित परीक्षा ली गई थी। वर्तमान हिदायतों के अधीन 170—380 रुपये के वेतनमान के कनिष्ठ अध्यापकों के पद पर प्रवरण के लिये बैठने वाले कर्मचारियों को लिखित पत्र का उत्तर अंग्रेजी में देना अपेक्षित है। 3-8-66 और 9-8-66 को लिखित परीक्षा शुरू होने से पहले सभी उम्मीदवारों को इस आशय की स्पष्ट हिदायत दी गयी थी कि वे प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी में दें। इसके बावजूद, पांच उम्मीदवारों ने इस हिदायत की अवहेलना करते हुए प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी में दिया। इसलिये प्रवरण मण्डल द्वारा उक्त पांच अध्यापकों की उत्तर-पुस्तिकाएं नहीं जांची गयीं।

International Fairs

8911. Shri K. Lakkappa: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many goods and valuable articles taken from India to the various agricultural and industrial fairs have not been brought back;

(b) if so, the value of such articles which were not brought back since 1962; and

(c) the action taken by Government to fix the responsibility on the officers concerned?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) to (c). Exhibits/samples for display at agricultural and industrial fairs abroad are con-